TOPIC- Writing a Research Proposal and detail Knowledge of their steps

Camlin Date 27.04.20

एक अनुसंधान प्रस्ताव का लेखन एवं उसकी जानकारी एवं उसके सोपान

अनुसंधान प्रस्ताव का लेखन एक गम्भीर कार्य है एक अच्छी प्रकार से सृजन किये गये अनुसंधान प्रस्ताव से ही एक अच्छे अनुसंधानात्मक अध्ययन का जन्म होता है। अतएव शोध प्रबन्ध (Thesis) Ph.D स्तर पर एवं लघुशोध (Dissertation) स्नातकोत्तर (M.A) स्तर पर होते हैं। जिसे मुख्यत: तीन भागों में बाँटा जा सकता है। ये हैं:

(A) परिचयात्मक विभाग (Introductory Section)

(B) प्रक्रियात्मक या तकनीकी विभाग (Methodological or Procedural Section)

(C) परिणाम एवं निष्कर्षात्मक विभाग (Inferential or Concluding Section)

अब यहाँ हम शोधार्थियों (अनुसन्धान कार्य में प्रवृत्त होनेवाले अन्वेषक / अन्वेषिका (Investigators) को सुलभ रूप से जानकारी के साथ लेखनबद्ध करने के लिए इन तीन विभागों की उनके उपविभागों सहित चर्चा करने जा रहे हैं जो कि शिक्षा-शास्त्र Education से सम्बद्ध शोधछात्र / छात्राओं के लिए सहायक सिद्ध होगा। क्योंकि शिक्षा-शास्त्र में लघुशोध / शोध के लिए एक अलग-अलग तौर तरीके होते हैं।

(A) परिचयात्मक विभाग (Introductory Section)

अनुसंधान प्रस्ताव के इस विभाग में निम्न उप-विभाग होते हैं:

1. शीर्षक पृष्ठ (Title page):

इस पृष्ठ की विषय वस्तु में निम्न बातें होती हैं